

यमुना जल परियोजना से शेखावाटी समृद्ध व खुशहाल होगा- भजनलाल

मुख्यमंत्री भजनलाल ने फतेहपुर में सीकर, चूरू, झुंझुनूँ के 1277 करोड़ रूपए के कार्यों का शिलान्यास, लोकार्पण किया

फतेहपुर/जयपुर, 1 अक्टूबर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि शेखावाटी में यमुना के पानी का दशकों का इंतजार खत्म होने जा रहा है। 3.4 हजार करोड़ रूपए से अधिक की लागत की यमुना जल परियोजना के अंतर्गत,

■ **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार “शेखावाटी हवेली संरक्षण योजना” के तहत तीनों जिलों की 660 से अधिक हवेलियों को आर्थिक सहायता देकर संरक्षण कर रही है। शेखावाटी जिलों में कनेक्टिविटी सुधार के लिए राजमार्गों का विस्तार किया जा रहा है।**



मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरुवार को फतेहपुर में सेवा संकल्प अभियान, “जन सेवा ही प्रभु सेवा” के अन्तर्गत, चूरू, झुंझुनूँ एवं सीकर जिलों के विभिन्न विकास कार्यों के लोकार्पण एवं शिलान्यास किया।

तीन पाइपलाइनों से हथिनीकुंड बैराज से सीकर, चूरू, झुंझुनूँ और आसपास के क्षेत्रों तक पेयजल लाया जाएगा, जिससे ये क्षेत्र खुशहाल और समृद्ध होंगे। अपर यमुना बेसिन में रेणुका, लखवार और किशाक बांध से राजस्थान के हिस्से का पानी गैर-मानसून अवधि में भी लगातार आता रहेगा। उन्होंने कहा कि आज हंसियावास जलाशय परिसर में 800 करोड़ रुपये की लागत के कृत्रिम जलाशय का शिलान्यास शेखावाटी में

यमुना जल लाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इसका काम जल्द ही शुरू किया जाएगा। मुख्यमंत्री गुरुवार को फतेहपुर में सेवा संकल्प अभियान, “जन सेवा ही प्रभु सेवा” के अन्तर्गत, चूरू, झुंझुनूँ एवं सीकर जिलों के विभिन्न विकास कार्यों के लोकार्पण एवं शिलान्यास समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार “शेखावाटी हवेली संरक्षण योजना” के

अन्तर्गत, झुंझुनूँ, चूरू एवं सीकर में 660 से अधिक हवेलियों को आर्थिक सहायता देकर उनका संरक्षण कर रही है। इससे पर्यटन बढ़े गा, स्थानीय लोगों को काम मिलेगा तथा पूरे क्षेत्र में समृद्धि के नए द्वार खुलेंगे। वहीं, शेखावाटी जिलों में कनेक्टिविटी सुधार के लिए भी राजमार्गों का विस्तार किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने चूरू, झुंझुनूँ और सीकर जिलों के लिए 1 हजार 277 करोड़ रुपये के 83 विकास कार्यों का

लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। इसके साथ ही, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, सार्वजनिक निर्माण विभाग, ऊर्जा विभाग के विभिन्न कार्यों का शिलान्यास भी किया गया। इस दौरान, विधायक गोरधन, हरलाल सहारण, राजेन्द्र भांबा, विक्रम सिंह जाखल, जेठानंद व्यास, पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़, फतेहपुर नगर परिषद सभापति अंजू भिंडा एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

पंजाब की दुविधा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)
रहे। पंजाब कांग्रेस के प्रभारी के रूप में सचिन पायलट के दौरे दिखाते हैं कि पार्टी ऊपर से दिखाई देने वाली एकता और लंबे समय से चल रही अंदरूनी गुटबाजी के बीच फंसी हुई है। पायलट की मौजूदगी में विरोधी गुट कुछ समय के लिए तो एक साथ दिखाई देते हैं, लेकिन पायलट के जाने के बाद, उनके बीच पुराने व्यक्तिगत मतभेद और अपने-अपने प्रभाव क्षेत्र को लेकर विवाद फिर सामने आ जाते हैं। पार्टी सूत्रों के अनुसार, वड्डिंग को लेकर गहरा असंतोष पहली समस्या है। दूसरी समस्या यह है कि अलग-अलग गुटों को एक ही मंच पर एकजुट नहीं किया जा सका है। दूसरी समस्या ज्यादा कठिन है।

पंजाब का प्रभारी नियुक्त होने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)
विवादों की वजह से आम आदमी पार्टी या भारतीय जनता पार्टी को मिलने वाले फायदे को रोकना है। सचिन पायलट की योजना किसी एक नेता को मुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित करने के बजाय, सामूहिक नेतृत्व पर केन्द्रित है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया है कि राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड़ा और मल्लिकार्जुन खडगे चुनाव अभियान का नेतृत्व करेंगे तथा मुख्यमंत्री का फैसला कांग्रेस को बहुमत मिलने के बाद ही किया जाएगा। पार्टी का फोकस कांग्रेस को आप सरकार के एकमात्र मजबूत विकल्प के रूप में पेश करने पर है। कांग्रेस का आरोप है कि आम आदमी पार्टी की सरकार पंजाब की समस्याओं – जैसे ड्रग्स, कानून व्यवस्था और बेरोजगारी – के बजाय, अपने राष्ट्रीय नेतृत्व को प्राथमिकता देती है।

सिंगला को हिंदू चेहरे के रूप में आगे बढ़ाने के पीछे एक खास मकसद है। एक गैर-सिख नेता को प्रदेश कांग्रेस संगठन का प्रमुख बनाकर, पार्टी का केन्द्रीय नेतृत्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष को ही मुख्यमंत्री पद का संभावित उम्मीदवार घोषित करने से बचता है। इससे कांग्रेस की सरकार बनने की स्थिति में, किसी सिख नेता, जैसे चन्नी या किसी अन्य वरिष्ठ नेता, के मुख्यमंत्री बनने की संभावना बनी रहती है, साथ ही, कई दावेदारों को सामूहिक लड़ाई में शामिल रखा जा सकता है। इस फैसले का समय भी महत्वपूर्ण है। पहले सिंगला को प्राथमिकता दी जा रही थी, लेकिन भारतीय जनता पार्टी द्वारा पहले कदम उठाने के बाद कांग्रेस ने अपनी रणनीति में बदलाव किया। पंजाब भारतीय जनता पार्टी ने जून 2026 में केवल सिंह हिल्लों को

सोनिया गांधी “इंडिया ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)
को कहा। ममता बनर्जी सोनिया गांधी के बगल में बैठीं। उनके बाद सुप्रिया सुले बैठीं और उनके पास समाजवादी पार्टी के सांसद हरेन्द्र मलिक बैठे। जब राहुल गांधी पहुंचे, तो वो खड़गे के दूसरी तरफ वाली सीट पर बैठे। उनके बगल में नेशनल कॉन्फ्रेंस के उमर अब्दुल्ला बैठे। इसके बाद एमए बेबी, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी-लेनिनवादी) के महासचिव दीपांकर भट्टाचार्य और अंत में तेजस्वी यादव और कपिल सिब्बल बैठे। पीचिंदरम के लिए भी आगे की पंक्ति में एक नेमप्लेट लगाई गई थी, लेकिन उनके नहीं आने के कारण वह

जगह खाली रह गई। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान, जब ममता बनर्जी की बोलने की बारी आई, तो उन्होंने बेहद कड़े शब्दों में मीडिया को संबोधित किया और सोनिया गांधी ने उनकी पीठ थपथपाई। इंडिया गठबंधन की बैठक के बाद, विपक्षी दलों ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग दोहराई, जबकि भारतीय जनता पार्टी ने इस गठबंधन को “राजनीतिक अवसरवाद” बताया। कांग्रेस के साथ मतभेदों के कारण गठबंधन से अलग हो चुके द्रविड़ मुनेत्र कडगम ने संसद में मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव का समर्थन करने का भरोसा दिलाया।

फ्लाई दुबई की फ्लाइट का सऊदी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)
दबाव को वे सहन कर सकते हैं। ये खूबियाँ एयरफ्रेम में ही शामिल होती हैं। विमान बनाते समय इन दबावों को ध्यान में रखा जाता है। तथापि, अगर दबाव एक निश्चित सीमा से अधिक हो जाए तो विमान का ढांचा (एयरफ्रेम) टूट सकता है। लगभग आधे मिनट में करीब 20,000 फीट नीचे गिरने से विमान पर बहुत ज्यादा दबाव पड़ सकता है। इसके अलावा, विमान को नीचे की ओर मुँह करके तेजी से घूमते हुए (स्पिन करते हुए) देखा गया था। साथ ही, कुछ विशेषज्ञों ने विमान के पिछले हिस्से में लगे, विमान को दिशा देने वाले रडर के टूटे हुए हिस्से की ओर भी ध्यान दिलाया। रडर का खराब होना एक गंभीर बात है। इसके अलावा, डेटा से पता चला कि विमान का हाइड्रोलिक सिस्टम खाली हो गया था और कुछ महत्वपूर्ण इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम भी काम करना बंद कर चुके थे। ऐसी परिस्थितियों में विमान का

सुरक्षित उतर जाना किसी चमत्कार से कम नहीं था। साथ ही, यह भी बहुत महत्वपूर्ण है कि पायलट पायलट जमीन पर गिरने से पहले कॉकपिट का दरवाजा खोलने में सफल रहे। ग्यारह सितंबर की घटना के बाद, कॉकपिट के दरवाजों को इतना सुरक्षित बना दिया गया है कि बाहर से कोई आसानी से अंदर प्रवेश नहीं कर सकता। अगर पायलट अंदर से दरवाजा नहीं खोलते, तो यात्रियों के लिए अंदर जाकर विमान को संभालना लगभग असंभव होता। ऐसी स्थिति में विमान की अचानक नीचे गिरने की गति को रोकना और फिर उसे ऊपर की दिशा में ले जाना विमान के ढांचे पर बहुत भारी दबाव डाल सकता था, जिससे विमान का ढांचा टूटकर अलग हो सकता था। इसके अलावा, को-पायलट ने विमान के कुछ जरूरी सिस्टम्स को निष्क्रिय कर दिया था। इसी वजह से विमान को तेजी से झटके खाते और घूमते हुए देखा गया। विमान को स्थिर रखने वाले कुछ महत्वपूर्ण हिस्से, जैसे पीछे के हिस्से के

पंख (टेल फिन) और अन्य स्थिर करने वाले (स्टेबलाइजिंग) फ्लैप, भी शायद क्षतिग्रस्त हो गए थे। इसलिए विमान को इतनी जल्दी नियंत्रित करके स्थिर करना बेहद कठिन काम रहा होगा। कुछ अनुभवी पायलटों ने सिम्युलेटर पर इस तरह के दबाव के असर को दिखाते हुए बताया कि अगर सऊदी अरब के पास के हवाई अड्डे पर विमान को जल्दी नहीं उतारा जाता, तो वह ज्यादा देर तक उड़ नहीं सकता था। विमान को तुरंत नीचे उतारने का फैसला बहुत सही था। तेल अवीव तक आगे उड़ान भरना संभव नहीं होता। ओमान के, कई अन्य अरब देशों की तरह, इजरायल के साथ राजनयिक संबंध नहीं हैं। ऐसी स्थिति में यह सवाल उठता है कि ओमान के एक पायलट को इजरायल के एक शहर के लिए जाने वाली उड़ान में पायलट के रूप में काम करने की इजाजत कैसे दी जा सकती थी, खासकर तब, जब पिछले कई वर्षों से एक गंभीर और हिंसक संघर्ष जारी है। ओमान के ईरान के साथ दोस्ताना

संबंध हैं और वह ईरान के साथ कुछ महत्वपूर्ण समझौतों पर बातचीत कर रहा है। ईरान का ओमान की आबादी के कुछ वर्गों पर काफी प्रभाव है और इसलिए उसे वहां के कुछ लोगों के बीच मित्रवत रवैया रखने वाला माना जा सकता है। दूसरी ओर, इजरायल अंतरराष्ट्रीय विमानन से जुड़े सुरक्षा मामलों को लेकर बेहद सतर्क रहता है।